पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली: कार्तिक 30, 1944
सोमवारः 21 नवंबर 2022

पूर्वोत्तर में सरकार द्वारा की गई त्वरित विकास पहलों ने 'लुक ईस्ट पॉलिसी' को 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' में बदल दिया: रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टर प्लान पूर्वोत्तर क्षेत्र में अवसंरचना संबंधी सुविधाओं के विकास में बल गुणक के रूप में कार्य करेगीः रक्षा मंत्री

साहसिक नीतिगत सुधारों, विश्वस्तरीय अवसंरचना और शीर्ष स्तर की प्रतिभाओं से ही 'नया भारत' संभव हो सकता है: रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर में सरकार द्वारा की गई विकास पहलों ने 'लुक ईस्ट पॉलिसी' को 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' में बदल दिया है, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में सर्वांगीण विकास हुआ है और सभी राज्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ व्यापार में सुधार कर सकेंगे। वह गुवाहाटी में भारतीय सेना और असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और नागालैंड की राज्य सरकारों के साथ-साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक परिषद (एनईजेडसीसी) द्वारा आयोजित 'राष्ट्र निर्माण में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के योगदान का कीर्तिगान' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टर प्लान पूर्वोत्तर क्षेत्र में अवसंरचनात्मक सुविधाओं के विकास में बल गुणक के रूप में कार्य करेगी। उन्होंने कहा, 'चाहे सड़क निर्माण हो, रेलवे का विस्तार हो या जलमार्गों में सुधार हो, प्रधानमंत्री गति शक्ति के माध्यम से हम विकास की गति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में भी हमने काफी प्रगति की है। हमने सौर और जल विद्युत परियोजनाओं में प्रगति सुनिश्चित की है, और हर नुक्कड़ तथा कोने में बिजली प्रदान करने का काम किया है।

उन चुनिंदा देशों में शामिल होकर जहां 5 जी सुविधाएं शुरू की गई हैं, भारत द्वारा की गई दूरसंचार क्रांति को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने लोगों को पूर्वोत्तर राज्यों के हर नुक्कड़ और कोने में सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार सुविधाओं का विस्तार करने का आश्वासन दिया। रक्षा मंत्री ने कहा, "इससे आर्थिक विकास, सुशासन और जन कल्याण सुनिश्चित होगा। मुझे पूरा

विश्वास है कि पूर्वोत्तर की युवा पीढ़ी के मेहनती स्वभाव और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं के कारण पूर्वोत्तर क्षेत्र सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर है।"

रक्षा मंत्री ने कहा कि साहसिक नीतिगत सुधारों, विश्वस्तरीय अवसंरचना और शीर्ष स्तर की प्रतिभाओं से ही संभव हो सकता है। उन्होंने कहा, "स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, खेल, ग्रामीण विकास, रोजगार और लघु उद्योगों के माध्यम से हम पूर्वोत्तर के प्रत्येक नागरिक के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी सरकार के आदर्श वाक्य 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' में पूर्वोत्तर के लोगों के प्रयासों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है।"

पूर्वोत्तर क्षेत्र के कई वीर योद्धाओं और वीरांगनाओं की वीरता एवं बहादुरी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, रक्षा मंत्री ने मुगलों के विरूद्ध सरायघाट की लड़ाई में महान कमांडर लचित बोरफुकन द्वारा अहोम सेना का नेतृत्व करने के तरीके को याद किया। 1857 के विद्रोह के दौरान असम को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के लिए मणिराम दीवान का बलिदान, 1890 में मणिपुरी सेना का नेतृत्व करने वाले बीर टिकेंद्रजीत सिंह, अरुणाचल प्रदेश के मोजे रिबा नाग और ब्रिटिश सेना को अच्छी टक्कर देने वाली मणिपुर की रानी गाइदिन्ल्यू आदि अविस्मरणीय हैं। श्री राजनाथ सिंह ने कहा, "मैं मेघालय के खासी प्रमुख यू तिरोट सिंग को नमन करता हूं, जो गुरिल्ला युद्ध के कुशल सेनानी थे। मैं कछार विद्रोह का नेतृत्व करने वाले वीर सेंग्या संबुधन फोंगलो को नमन करता हूं। इसी तरह, मैं मिजोरम की रानी रोपुइलानी को भी नमन करता हूं।

आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) समारोह के एक हिस्से के रूप में, भारतीय सेना ने पूर्वी कमान मुख्यालय के तत्वावधान में 20 और 21 नवंबर 2022 को गुवाहाटी में 'राष्ट्र निर्माण में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के योगदान का कीर्तिगान' विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में पूर्वोत्तर क्षेत्र के योगदान, वीर नारियों को सम्मानित करना और पूर्वोत्तर संस्कृति की प्रदर्शन मंजूषा को दर्शाना है। यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में पूर्वोत्तर क्षेत्र के गुमनाम नायकों की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाने का अवसर प्रदान करता है।

समारोह के हिस्से के रूप में, नारंगी सैन्य स्टेशन पर 20 नवंबर 2022 को एक विशेष कार्यक्रम के दौरान पूर्वोत्तर की साहसी वीर नारियों को सम्मानित किया गया। लगभग 100 वीर नारियों ने अपनी तरह के पहले आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया। अन्य कार्यक्रमों में सशस्त्र बलों द्वारा हथियारों/उपकरणों का प्रदर्शन और साहसिक गतिविधियों का प्रदर्शन, फ्यूजन बैंड कॉन्सर्ट, पूर्वोत्तर से सांस्कृतिक प्रदर्शनों का मिश्रण, स्थानीय पॉप बैंड द्वारा विशेष प्रदर्शन, एक असाधारण संगीत अभिनय और उसके बाद गुवाहाटी में पहला ड्रोन शो शामिल था।

इस सम्मेलन में असम, मणिपुर और मेघालय के मुख्यमंत्री, पूर्वी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

एसआर/डीएस